

FORM No. III

फर्द अहकाम  
(नियम 26)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट खण्डेला

उनवान ..... सुखदेव गो. .... बनाम ..... श्रीमिथानी तरुणीलाल खोता.....

किसम मुकदमा ..... प्रार्थना पत्र विनिमय ..... मुकदमा नं. .... 67 ..... सन् 2018

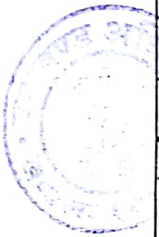
तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तालीम में जारी हुए
	<p>27<sup>09</sup>/<sub>18</sub> वकील प्रार्थना गो. प्रार्थना पत्र पेश करके अदालत को अर्ज पेश किया। अर्ज पत्र दर्ज रिस्ट किया जावे। अर्ज की तलबी जीएर समत की जाकर पत्रावली दिनांक 12/10/18 को पेश हो।</p>	<p>1111 8-10-18</p>
<p>12<sup>10</sup>/<sub>18</sub></p>	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थना गो. अर्ज की तालीम सम्पन्न रूप से होकर लौटी है। बाबजूद सम्पन्न तालीम उक्त अर्ज की ओर से कोई हानिर अदालत नहीं आया है। अतः अर्ज के विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जाती है। बाबूदेव बहस पत्रावली दिनांक 16-10-2018 को पेश हो।</p>	<p>सुखदेव सुखदेव Jhul...</p>
<p>16<sup>10</sup>/<sub>18</sub></p>	<p>पत्रावली पेश हुई। प्रकरण में बहस करीब अर्ध-गण सुनी गई। दोराने बहस वकील प्रार्थना गो. ने अपने प्रार्थना - पत्र में अर्जित तथ्यों के दोहरा कर मुताबिक अनुलोक निर्वाह पारित किये जाने का निवेदन किया। पत्रावली, पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रेकर्ड का अवलोकन किया गया। चूंकि प्रार्थना गो. नं० एवं पार्टी नं० 2 आपसी रजामन्दी से अपनी अर्जों की अदला - बदली करवाने हेतु प्रार्थना - पत्र पेश</p>	

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तालीम में जारी हुए
------------	--------------------------------------	--

कर आ रहे हैं। अतः प्रार्थी गण का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाकर आदेश दिया जाता है कि :-

निर्णय

तन ग्राम बरसी पं० ए० जमरामपुरा तहसील खरोला जिला सीकर (राज०) अवस्थित कृषि भूमि ख० नं० 35, 36, 37 रकबा 1.5300 है। में प्रार्थी, पार्थी नं० 1 के नाम दर्ज हिस्सा 1/6 अर्थात् रकबा 1.25 है। से प्रार्थी, पार्थी नं० 1 का नाम हजफु किया जाकर उक्त 1.25 है की खातेदारी प्रार्थी, पार्थी नं० 2 के नाम दर्ज हो जावे। ख० नं० 381 ता 387, 389, 390 रकबा 8.2400 है। में प्रार्थी, पार्थी नं० 2 के नाम दर्ज हिस्सा 1/4 अर्थात् रकबा 2.06 है। में से 1.25 है का प्रार्थी, पार्थी नं० 1 को खातेदार कारतदार दर्ज किया जावे तथा उक्त 1.25 है हिस्सा से प्रार्थी, पार्थी नं० 2 का नाम हजफु किया जाता है तथा शेष 0.81 है हिस्सा भी पार्लोदी प्रार्थी, पार्थी नं० 2 के नाम बदस्तूर रहेगी। उक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल परामद हो। पत्रापली केसल शुमार होकर नम्बर से उक्त हो तथा बाद तहसील फािल पफतर हो। निर्णय पुले न्यायालय में सुनाया गया।



16/1/21  
 भारतीय राजस्व  
 उप-सूचना अधिकारी  
 सीकर (राज०)